भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 382

04 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए

अनुसंधान और विकास परियोजनाएं

382. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही**:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस्पात मंत्रालय द्वारा इस्पात क्षेत्र में नवोन्मेष और प्रौद्योगिकीय प्रगति को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई अनुसंधान और विकास परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों के दौरान इन अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए कितनी निधि आबंटित और उपयोग की गई है;

(ख) क्या सरकार ने इस्पात क्षेत्र में स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करने के लिए कोई योजनाएं शुरू की हैं अथवा नीतियां बनाई हैं;

(ग) यदि हां, तो इन योजनाओं का ब्यौरा क्या है और इन स्टार्टअप्स को क्या वित्तीय और प्रौद्योगिकीय सहायता प्रदान की गई है;

(घ) क्या मंत्रालय उन्नत इस्पात प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए आईआईटी और एनआईटी जैसे शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करने के लिए कोई कदम उठा रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और घरेलू स्तर पर ऐसे सहयोगों का क्या प्रभाव पड़ेगा ?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

उत्तर (क), (घ) और (ङ)**:** इस्पात मंत्रालय लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए हितधारकों अर्थात इस्पात उद्योग, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं और आईआईटी जैसे शैक्षणिक संस्थानों को "लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास का प्रोत्साहन " योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। शैक्षणिक संस्थानों और राष्ट्रीय/क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में, 70 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता अनुमेय है। उपयोगकर्ता उद्योग के साथ संपर्क करने वाली अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान को प्राथमिकता दी जाती है। इस योजना के तहत शामिल किए गए प्रमुख क्षेत्रों में इस्पात क्षेत्र के समक्ष सामान्य समस्याओं यथा अपशिष्ट का उपयोग, दक्षता

जारी...

और उत्पादकता में सुधार, ऊर्जा की खपत और उत्सर्जन को कम करना आदि के समाधान के लिए नवीन प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए अनुसंधान शामिल हैं। इस पहल से इस्पात क्षेत्र की दक्षता, उत्पादकता में सुधार को बढ़ावा मिलने और ऊर्जा की खपत और जीएचजी उत्सर्जन में कमी करके जलवायु परिवर्तन का समाधान होने की आशा है।

पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2021-22, वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24) के दौरान इस्पात मंत्रालय द्वारा अनुमोदित और वित्तपोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में आवंटित निधि और उपयोग की गई निधि का विवरण निम्नानुसार है:

	वर्ष 2021-22 (करोड़ रुपए में)	**वित्त वर्ष 2022-23 (करोड़ रुपए में)**	**वित्त वर्ष 2023-24 (करोड़ रुपए में)**
आवंटित बजट (आरई)	4.81	4.49	5.00
उपयोग की गई निधि	4.81	4.49	2.94

(ख) और (ग): इस्पात मंत्रालय के पास स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करने के लिए कोई योजना नहीं है।

*****